

प्रेषक,

अर्जुन सिंह,  
संयुक्त सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा मे,

मुख्य चिकित्साधिकारी,  
नैनीताल।

चिकित्सा अनुभाग-3

देहरादून: दिनांक: 26 फरवरी, 2005

विषय: प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र उंचाकोट तथा बिन्दुखाता जनपद नैनीताल के भवन निर्माण की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के पत्र सं०-७४/१/पी.एच.सी./१६/२००४/२७५८४ दिनांक १६.११.२००४ के सन्दर्भ मे मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल निर्माण हेतु कमशः रुपये ४४,२५,०००-०० (रु० चावालीस लाख पच्चीस हजार मात्र) तथा रु० ३७,१०,०००-०० (रु० सैतीस लाख दस हजार मात्र) की धनराशि पर प्रशासनिक एवं वित्तीय अनुमोदन तथा चालू वित्तीय वर्ष मे संलग्नकानुसार रु० १०,०००,००-०० (रु० दस लाख मात्र) तथा रु० १०,०००,००-०० (रु० दस लाख मात्र) कुल २०,००,०००-०० (रु० बीस लाख मात्र) की धनराशि के ब्यय की सहर्ष स्वीकृति निम्नांकित रार्टानुसार प्रदान करते हैं।

१— एकमुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व विस्तृत प्रस्ताव बनाकर सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त कर लें।

२— कार्य कराते समय लो० निर्माण के स्वीकृत विशिष्टों के अनुरूप कार्य कराये तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाये। कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरांचल निर्माण एजेन्सी का होगा।

३— उक्त धनराशि तत्काल आहरित की जायेगी तथा तत्पश्चात् क्षेत्रीय प्रबन्धक, उपर्युक्त समाज कल्याण वर्ष के भीतर सुनिश्चित किया जायेगा। तथा कार्य को पूर्ण पर हस्तात कराने की अधिकतम सीमा दिसम्बर २००५ तक होगी।

४— स्वीकृत धनराशि के आहरण से संबंधित बाऊचर संख्या एवं दिनांक की सूचना तत्काल उपलब्ध कराई जायेगी तथा धनराशि का ब्यय वित्तीय हस्तापुरितका मे उल्लिखित प्राविधानों मे बजट मैनुअल तथा शासन द्वारा मितव्ययता के संबंध मे समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया जाना सुनिश्चित् किया जायेगा।

५— आगणन मे उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अधिकारी द्वारा स्वीकृत/ अनुमोदित दरों मे जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट मे स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से भी ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार कम से कम अधीक्षण रत्तर के अधिकारी का अनुमोदन आवश्यक होगा।

६— धनराशि उन्ही मदों पर ब्यय की जायेगी जिनके लिये स्वीकृत की जा रही है।

७— कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

८— कार्य पर उतना ही ब्यय किया जायेगा जितना कि स्वीकृत मानक हैं। स्वीकृत मानक से अधिक ब्यय कदापि न किया जाय।

९— एक मुश्त प्राविधिन को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

10— कार्य कराने से पूर्व समरत औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

11— कार्य करने से पूर्व स्थल का भली भाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगर्ववेत्ता के साथ आवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निवेशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जायें।

12— आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाए, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए। निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से परीक्षण करा लिया जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाए।

13— स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आख्या प्रत्येक दशा में माह की 07 तारीख तक निर्धारित प्रारूप पर शासन को उपलब्ध कराई जायेगी। यह भी स्पष्ट किया जाएगा कि इस धनराशि से निर्माण का कौन सा अंश पूर्णतया निर्गत किया गया है।

14— निर्माण के समय यदि किसी कारणवश यदि परिकल्पनाओं/विशिष्टियों में बदलाव आता है तो इस दशा में शासन की स्वीकृति आवश्यक होगी।

15— निर्माण कार्य से पूर्व नींव के भू-भाग की गणना आवश्यक है, नींव के भू-भाग की गणना के आधार पर ही भवन निर्माण किया जाय।

16— उक्त योजना/कार्यों को दिनांक 30.6.06 तक निश्चित रूप से पूर्ण कर लिये जाये तथा समयबद्ध रूप से पूर्ण करने हेतु सूचना शासन को रूप से उपलब्ध करायी जाएगी।

17— बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका स्टोर परचेज रॉल्स डी0जी0 एस0एन0डी0 की दरे अथवा टेप्डर/कोटेशन विषयक नियमों के संबंध में शासन द्वारा समय—समय पर जारी आदेशों का अनुपालन किया जायेगा।

18— धनराशि का आहरण/व्यय आवश्यकतानुसार एवं भितव्यता को ध्यान में रखकर किया जाय।

19— निर्माण कार्य जून 2006 से पूर्व पूर्ण कर लिये जायें।

20— उक्त व्यय वर्ष 2004–05 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या –12 लेखाशीर्षक 4210— चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूँजीगत परिव्यय— आयोजनागत 02—ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाये—103—प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र 91—जिला योजना 02—नये प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवनों का निर्माण (सामान्य) (विस्तार अंश ) 24—वृहत् निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

21— यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 सं0-1031/वित्त अनुभाग-2/2005 दिनांक 22.02.05 मे प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

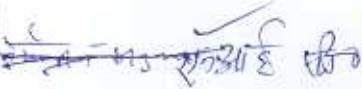
संलग्नक—यथोक्त

भवदीय

( अर्जुन सिंह )  
संयुक्त सचिव

पु0सं0-1075(1)/xxv 111-(3)-2004-203/2004 तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :—

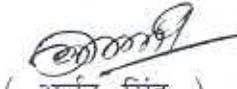
- 1— महालेखाकार, उत्तरांचल, माजरा देरादून।
- 2— निदेशक, कोषागार, उत्तरांचल, देरादून।
- 3— जिलाधिकारी, नैनीताल।
- 4— महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तरांचल देरादून।
- 5— कोषाधिकारी, नैनीताल।
- 6— क्षेत्रीय प्रबन्धक, उ0प्र0 समाज कल्याण निर्माण निगम उत्तरांचल।
- 7— निजी सचिव मा0 मुख्यमंत्री।
- 8— वित्त अनुभाग-2/ गार्ड फाईल 

आज्ञा द्वारा  
( अर्जुन सिंह )  
संयुक्त सचिव

(धनराशि लाख रु० में)

क्र.सं०	योजना का नाम	निर्माण इकाई	अनुमोदित लागत	वर्ष 2004-05 स्वीकृत धनराशि
1	प्राथमिक रवास्थ्य केन्द्र उचाकोट जनपद नैनीताल का भवन निर्माण।	उ०प्र० समाज कल्याण निर्माण निगम	44.25	10.00
2	प्राथमिक रवास्थ्य केन्द्र विन्दुखाता जनपद नैनीताल का भवन निर्माण।	उ०प्र० समाज कल्याण निर्माण निगम	37.10	10.00
		योग-	81.35	20.00

( रु० बीस लाख मात्र )



( अर्जुन सिंह )  
संयुक्त सचिव